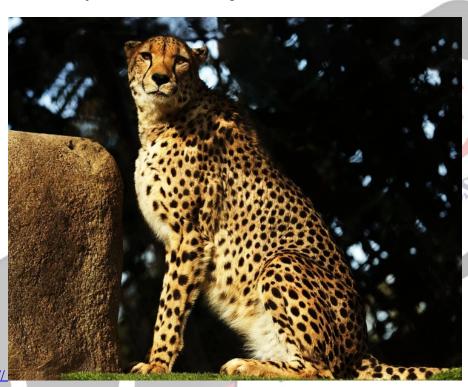


## पूर्वोत्तर अफ्रीकी चीता

## स्रोत: डाउन टू अर्थ

अरब देशों में शावकों के अवैध व्यापार के कारण पूर्वोत्तर अफ्रीकी चीता को आनुवंशिक वविधिता में गरिावट का सामना करना पड़ रहा है।



## पूर्वोत्तर अफ्रीकी चीतों के बारे में मुख्य तथ्य क्या हैं?

- वैज्ञानिक नाम: एसनिोनिक्स जुबेटस सोमेरिगी (Acinonyx jubatus soemmeringii)
- परचिय:
  - यह चीता की एक उप-प्रजाति है जिसे पहली बार वर्ष 1855 में ऑस्ट्रियाई जीवविज्ञानी लियोपोल्ड फट्जिंगिर द्वारा वैज्ञानिक नाम सिनेलुरस सोमेरिंगी (Cynailurus soemmeringii) के तहत सूडान के बायुडा रेगिस्तान से वियना में टियरगार्टन शॉनब्रुन में लिये गए एक नमूने के आधार पर देखा गया था।
  - ॰ इसे **सूडान चीता** के नाम से भी जाना जाता है। यह उप-प्रजाति सहारन चीता आबादी के बजाय **दक्षणी अफ्रीकी चीता** आबादी से संबंधित है।
- वतिरण:
  - ये पुरवोत्तर **अफ्रीका, इथियोपिया** और **दक्षिण सुडान** में पाए जाते हैं।
  - ॰ ये विसितृत खुली भूमि, घास के मैदानों, अर्ध-शुष्क क्षेत्रों और अन्यखुले आवासों में रहते हैं, जहाँ शिकार प्रचुर मात्रा में होता है जैसे कि पूर्वी सूडानी सवाना क्षेत्र में।
- = आवास:
  - ॰ उनके **आवासों में आम तौर पर विभिन्**न **प्रकार के पारिस्थितिकि तंत्र शामिल होते हैं, जैसे– सवाना**, घास के मैदान और अर्ध-शुष्क स्थान, अक्सर विरेल वनस्पति के साथ जो उनकी उच्च गति शिकार रणनीति के लिये सक्षम होते हैं।
- खतरा:
  - ॰ लाल सागर (Red sea) के पार सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और यमन जैसे अरब देशों में उनकी भारी तस्करी की जाती है।

- ॰ निवास स्थान के नुकसान, मानव अतिक्रमण और शिकार के कारण, उनकी संख्या में काफी कमी आई है, मुख्य रूप से संरक्षित क्षेत्रों में केवल कुछ बखिरी हुई आबादी बची है।
- संरक्षण की स्थितिः
  - IUCN रेड लिसट: लुप्तप्राय।

# चीता (Cheetah)



सामान्य नामः एशियाई चीता

वैज्ञानिक नामः एसिनोनिक्स जुबेटस (Acinonyx jubatus)

- एसिनोनिक्स जुबेटस जुबेटस (एशियाई चीता)
- एसिनोनिक्स जुबेटस वेनाटिकस (अफ्रीकी चीता)

#### विशेषताएँ:

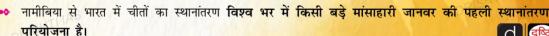
- विश्व का सबसे तेज दौडने वाला स्तनधारी
- चीते अपनी क्षमता के बजाय गित के लिये जाने जाते हैं; जब ये अपने शिकार का पीछा करते हैं तो यह केवल 200-300 मीटर के लिये तथा 1 मिनट से कम अवधि का होता है।
- शेर, लकड्बग्घे और तेंदुए जैसे अन्य शक्तिशाली शिकारियों से प्रतिस्पर्द्धा से बचने के लिये चीते मुख्य रूप से दिन के दौरान शिकार करते हैं।

### अफ्रीकी चीता बनाम एशियाई चीताः

- अफ्रीकी: हल्के भूरे और सुनहरे रंग की त्वचा; एशियाई चीते से मोटी
  - चेहरों पर धब्बों तथा रेखाओं की प्रधानता
  - पूरे अफ्रीका महाद्वीप में पाए जाते हैं
  - IUCN रेडलिस्ट में स्थितिः सुभेद्य (Vulnerable)
- एशियाई: अफ्रीकी चीतों से थोड़े छोटे
  - हल्के पीले रंग की त्वचाः शरीर के नीचे विशेष रूप से पेट पर अधिक
  - केवल ईरान में पाए जाते हैं; देश द्वारा यह दावा किया जाता है कि अब यहाँ केवल 12 चीते शेष हैं।
- वर्ष 1952: एशियाई चीता को आधिकारिक रूप से भारत से विलुप्त घोषित किया
  - IUCN रेडलिस्ट में स्थितिः घोर संकटग्रस्त (Critically Endangered)

### भारत में चीतों का पुनर्वासः

- राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA) की 19वीं बैठक में MoEF-CC द्वारा "भारत में चीता पुनर्वास के लिये कार्ययोजना" जारी की गई थी। (जनवरी 2022)
  - 💠 इसी तरह की एक कार्ययोजना सर्वप्रथम वर्ष **2009 में प्रस्तावित की गई थी।**
- सितंबर 2022 में नामीबिया से आठ चीतों को भारत में पुनर्वास हेतु लाया गया।
  - इन आठ चीतों को मध्यप्रदेश के कुनो-पालपुर राष्ट्रीय उद्यान में स्थानांतरित किया





एशियाई चीता





